आशायें

आशायें हर गाँव की,
उम्मीदें जहाँ भर की।

अंक 14, 2017

आशाओं के लिए त्रैमासिक समाचार पत्रिका

आकर्षण

अन्दर के पृष्ठों में दिये गये लेख

मिशन निदेशक की कलम से .... पृष्ठ संख्या 2

प्रधानमंत्री मातृवन्दना योजना पृष्ठ संख्या 2-3

मिशन परिवार विकास कार्यक्रम पृष्ठ संख्या 4-5

"सघन मिशन इन्द्रधनुष अभियान" पृष्ठ संख्या 6

बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम पृष्ठ संख्या 7

घर-घर गर्भनिरोधक सामग्री की पहुँच पृष्ठ संख्या 8

हाथ धोयें स्वस्थ रहें, स्वच्छता ही सेवा पृष्ठ संख्या 9

आशा सम्मेलन 2017 पृष्ठ संख्या 10

पुरूष नसबंदी पखवाड़ा सेहत की रसोई रेडियो धारावाहिक पृष्ठ संख्या 11

आशा की भूमिका रंग लाई पृष्ठ संख्या 12

पत्र लिखें

आशायें पत्रिका
पोस्ट बॉक्स नं0-411
जी0पी0ओ0
लखनऊ-226001

प्रो. रीता बहुगुणा जोशी
मंत्री - महिला कल्याण, परिवार कल्याण,
मातृ एवं शिशु कल्याण एवं पर्यटन,
उत्तर प्रदेश

संदेश

प्रिय आशा बहनों,

प्रत्येक त्रैमास पर प्रकाशित की जाने वाली 'आशायें' पत्रिका का 14वां अंक आपको समर्पित करते हुये मुझे अत्यन्त हर्ष हो रहा है। प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों में निवास करने वाले जनसमुदाय, विशेषकर वंचित वर्गों तक सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं को पहुँचाने में आपका महत्वपूर्ण योगदान है, जिससे मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर एवं प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आई है। विगत माह में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मुझे भी प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त हुआ। आशा सम्मेलन को उत्सव की तरह मनाया जाता है, जिसमें सभी स्वास्थ्य कर्मियों एवं समुदाय द्वारा प्रतिभागिता की जाती है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होता है। आप द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल मनोरंजन करते हैं, अपितु शिक्षात्मक विचारों को भी पिरोये रहते हैं। सम्मेलन के दौरान आपके और भी नजदीक आने का अवसर मिला, तथा आपकी समस्याओं की भी जानकारी मिली।

इस पत्रिका के माध्यम से मैं आपको याद दिलाते हुए पुनः अनुरोध करना चाहती हूँ कि प्रदेश में प्रत्येक माह की 9 तारीख को "प्रधानमंत्री मातृत्व स्वास्थ्य दिवस" का आयोजन किया जाता है। इसमें समस्त गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व सेवाओं का लाभ दिलायें एवं उनकी प्रसव योजना बनाकर शत्-प्रतिशत संस्थागत प्रसव करवाने हेतु प्रेरित करें, जिससे स्वस्थ प्रदेश की संकल्पना को साकार किया जा सके। इसके साथ ही गृह आधारित नवजात शिशु देखभाल कार्यक्रम के अन्तर्गत कम वज़न वाले एवं बीमार नवजात बच्चों का चिन्हीकरण कर उन्हें समय पर चिन्हित स्वास्थ्य इकाईयों पर संदर्भित करें। इन योजनाओं की सफलता के लिये आपका सहयोग अत्यन्त आवश्यक है।

स्वस्थ समाज के लिए स्वस्थ परिवारों का होना जरूरी है और परिवारों के स्वास्थ्य के लिए सीमित परिवार की अवधारणा बहुत महत्वपूर्ण है। आप जानती हैं, कि अभी हाल में ही भारत सरकार द्वारा 'मिशन परिवार विकास' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया है जिसकी जानकारी आपको इसी अंक में दी जा रही है। समुदाय के मध्य सीमित परिवार - स्वस्थ परिवार की भावना जागृत करें तथा उन्हें दाम्पत्य काल में आरम्भ से ही परिवार नियोजन के साधन अपनाने हेतु प्रेरित करें।

मैं अपनी आशा संगिनियों का भी जिक्र करना चाहूँगी जिन्होनें आशा के रूप में कार्य करते हुये अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के बल पर आशा संगिनी का स्थान पाया है और अब अपनी साथी आशा बहनों का उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन कर रही हैं। आशाओं के कार्य के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं के दृष्टिगत आशाओं द्वारा बीमा की माँग की जा रही थी। इसके दृष्टिगत सरकार द्वारा सभी आशाओं एवं आशा संगिनियों को दुर्घटना बीमा देने का निर्णय लिया गया है, जो आपको एवं आपके परिवार को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करेगा।

आइये ! हम संकल्प लें कि हम सब मिलकर एक स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का निर्माण करेंगे।

(प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी)